Course Code
GEHD – 01

Term End Examination - December, 2019

भक्तिकालीन हिंदी कविता (निर्गुण एवं रामभक्ति काव्यधारा)

Generic Elective Course-I (Hindi)

Time : 3 hours *Full Marks* : 100

The figures in the right-hand margin indicate marks

Answer **all** Groups as directed

Candidates are required to write their answers in their own words as far as practicable

Group—A

विभाग—क

1. Answer any four questions : 15×4=60

(a) भक्तिकालीन हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(b) सगुण भक्तिकाव्य तथा उसकी विशेषताओं पर विचार कीजिए।

(c) रामकाव्य परंपरा का परिचय देते हुए उसमें तुलसीदास का स्थान निरूपण कीजिए।

(d) कबीर के भक्तिकाव्य की विशेषताएँ सोदाहरण समझाइए।

(e) नागमती वियोग वर्णन प्रसंग की विशेषताओं पर विचार कीजिए।

(f) हिंदी कृष्णभक्ति काव्य परंपरा का परिचय देते हुए उसमें सूरदास का स्थान निरूपण कीजिए।

Group—B

विभाग—ख

2. Answer any four questions : 10×4=40

(a) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

ज्यों तिल माँही तेल है, ज्यों चकमक में आगि।
तेरा साईं तुज्झ में, जागि सकै तो जागि॥

(b) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

बृक्ष कबहुँ नाहिं फल भखैं, नदी न संचै नीर।
परमनाथ के कारने साधुन धरा सरीर॥

(c) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

मधुप करत घर कोरी काठ में, बंधत कमल के पात।
ज्यों पतंग हित जानि आपनौ, दीपक सों लपटात॥

(d) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

ऊधौं, मन नाहीं दस बीस।
एक हुतो सो गयो स्याम संग, को आराधै ईस ?

इंद्री सिथिल भई केसव बिनु, ज्यों देही बिनु सीस।
स्वास अटकि रही आसा लगि, जीवहिं कोटि बरीस॥

(e) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

निरगुन कौन देश कौ बासी।
मधुकर कहि समुझाय सोंह दै, बूझती साँच, न हाँसी॥
को है जनक, कौन है जननि, कौन नारी, को दासी ।
केसौ बरन, भेष है केहिं रस मैं अभिलाषी॥

(f) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

भरतहिं होई न राजमदु बिधि हरि हर पद पाइ।
कबहुँ काँजी सीकरनि छीरसिंधु बिनसाई॥

★★★